सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस ओन मैक्रोसेर्विसेस - कोच्ची

'उपयोगकर्ता विभागों के लिए साइबर जागरूकता कार्यक्रम'

साइबर सुरक्षा जागरूकता समय की आवश्यकता है क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक गैजेटें और इंटरनेट दिन-प्रतिदिन जीवन का हिस्सा बन गए हैं | जब किसी संगठन के कर्मचारी साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक होते हैं, तो इनको यह मालूँ हो सकते हैं कि साइबर खतरे क्या हैं, साइबर हमले का संभावित प्रभाव उनके संगठन और देश पर कैसे पड़ेंगे | वे जोखिम को कम करने और साइबर अपराध को अपने ऑनलाइन कार्यक्षेत्र में घुसपैठ करने से रोकने के लिए आवश्यक कदमों से अवगत होंगे | समय आ गया है कि लोग डिजिटल आसक्ती की दुनिया से डिजिटल अनुशासन की दुनिया में कदम रखें | भारत सरकार ने इस संबंध में निर्देश और दिशा-निर्देश जारी किए थे| एमईआईटीवाई और कई अन्य विभाग अपने कर्मचारियों के बीच साइबर सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से हर महीने साइबर जागरुकता दिवस मना रहे हैं|

डीडीजी और एचओडी, एनआईसी-सीईएम श्री पीटर थंबुसामी ए और अन्य प्रतिभागियों की उपस्थिति में श्री ए के चौधरी, निदेशक, सीआईएफनेट द्वारा उद्घाटन भाषण

अपने उपयोगकर्ता विभागों के बीच जागरूकता पैदा करने केलिए, एनआईसी-सीईएम ने 05.07.2022 को इन विभागों के कर्मचारियों के लिए **साइबर जागरूकता कार्यक्रम** आयोजित किया। कार्यक्रम भारत वीसी के माध्यम से ऑनलाइन में आयोजित किया गया । एनआईसी-सीईएम के वैज्ञानिक-एफ एवं प्रशिक्षण समन्वयक, श्रीमती पार्वती देवी पी ने स्वागत भाषण दिया। श्री ए के चौधरी, निदेशक, केंद्रीय मत्स्य पालन, समुद्री और इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान (सीआईएफएनईटी) ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसकी अध्यक्षता श्री पीटर फ्रांसिस थंबुसामी ए, डीडीजी एवं एचओडी, एनआईसी-सीईएम ने की। सीआईएफनेट के

निदेशक ने अपने उद्घाटन भाषण में डिजिटल इंडिया, देश के आईटी संसाधनों की सुरक्षा, अनुप्रयोगों को सुरक्षित करने, उपयोगकर्ता विभागों और नागरिकों को जागरूक करने, इत्यादि में एनआईसी के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न संगठनों के कर्मचारियों के लिए इस साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के संचालन पर एनआईसी-सीईएम की पहल की सराहना की थी।

तकनीकी सत्र की शुरुआत श्री संतोष वीटी, वैज्ञानिक-एफ, एनआईसी-सीईएम द्वारा '**सभी के लिए साइबर सुरक्षा - क्या करें और क्या न करें**' के साथ हुई। उन्होंने विभिन्न साइबर खतरों, संगठनों और व्यक्तियों द्वारा उठानेवाले निवारक उपायों के बारे में विस्तार से बताया था। श्री पीजे रफी, वैज्ञानिक-ई, एनआईसी-सीईएम ने '**वेब एप्लिकेशन सुरक्षा**' पर दूसरा सत्र संभाला। वेब एप्लिकेशन पर आने वाले विभिन्न खतरों, लापरवाही से संभावित नुकसान, बरती जाने वाली सावधानियां और वेब एप्लिकेशन की सुरक्षा ऑडिटिंग के महत्व को उन्होंने समझा दिया।

सीआईएफएनईटी (कोच्चि, चेन्नई, वैजाग, विशाखापत्तनम), एनआईएफपीहाआटीटी (राष्ट्रीय मत्स्यपालन पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण संस्थान), FACT (फर्टिलाइज़र्स एण्ड केमीकल्स ऑफ ट्रावनकोर), नारियल विकास बोर्ड (कोच्चि, गुवाहाटी,पटना), गुरुवायुर देवस्वम बोर्ड और महाराजा कॉलेज, कोच्चि आदि के कुल चालीस अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया था।

कार्यशाला का समापन एचओडी, एनआईसी-सीईएम की अध्यक्षता में प्रश्न और उत्तर / फीडबैक सत्र के साथ हुआ। विभागाध्यक्ष और संकायों ने प्रश्नों को संबोधित किया और विभिन्न स्थानों से प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए संदेहों को दूर किया। श्री एस. निशांत, वरिष्ठ प्रशिक्षक (ईएल), सीआईएफनेट कोच्चि ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

रासूविके-सीईएम कोचची

NIC-CENTRE OF EXCELLENCE ON MICROSERVICES - KOCHI

'Cyber Jagrookta Programme for User Departments'

Cyber Security awareness is the necessity of the time as the electronic gadgets and internet have become part of day-to-day life. When employees of an organization are aware of Cyber Security, they understand what cyber threats are, the potential impact a cyber-attack will have on their organization and the country. They will be aware of the steps required to reduce risk and prevent cyber-crime infiltrating their online workspace. It is time that the individuals move from the world of digital addiction to world of digital discipline. Government of India had issued directives and guidelines in this respect. MeiTY and many other departments are observing Cyber Jagrookta Diwas every month with an objective of creating Cyber Security Awareness among its employees.

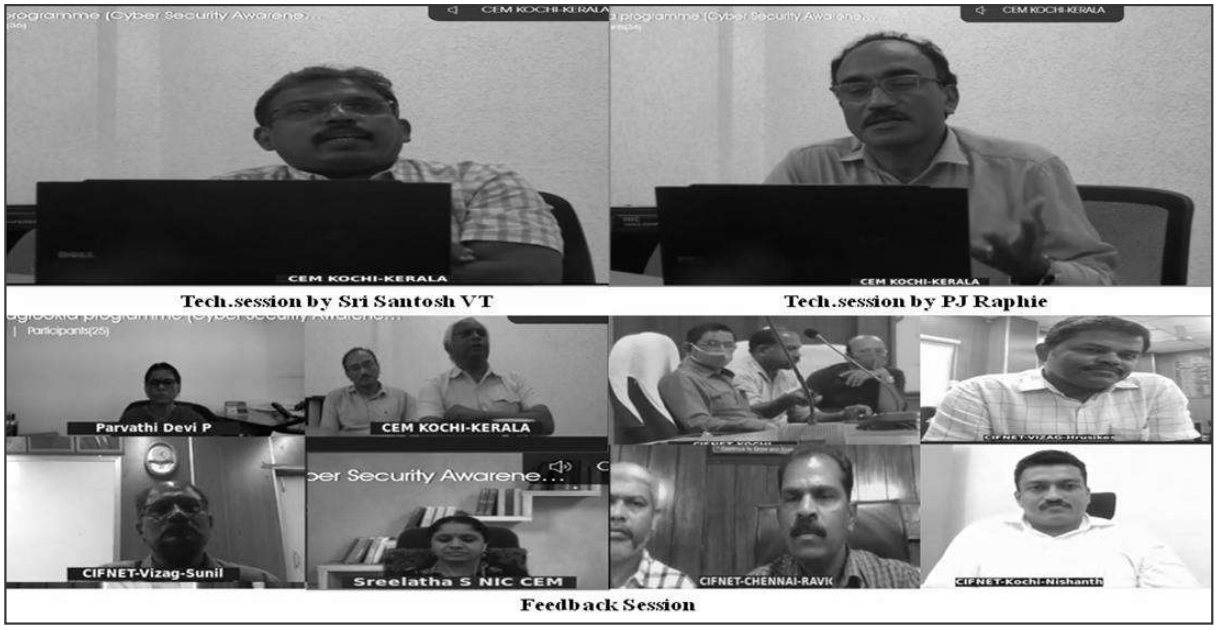

As part of creating awareness among its User Departments, NIC-CEM conducted **Cyber Jagrookta Programme for the employees of its User Departments** on 05th July 2022. The programme was conducted online through Bharat VC. Smt. Parvathi Devi P, Scientist-F & Training Coordinator, NIC-CEM gave the welcome address. Shri. A K Choudhury, Director, Central Institute of Fisheries, Nautical and Engineering Training (CIFNET) inaugurated the programme online, chaired by Shri. Peter Francis Thambusamy A, DDG & HoD, NIC-CEM. The Director, CIFNET during his inaugural address emphasized NIC's contributions in Digital India, safeguarding the IT resources of the country, securing the applications and sensitizing the user departments and citizens. He had appreciated NIC-CEM's initiative on conducting this Cyber Security awareness programme for the employees of various organizations.

The technical session started with **'Cyber Security to All - Dos and Donts for an Individual'** by Shri. Santosh VT, Scientist-F, NIC-CEM. He had explained in detail the various cyber threats and preventive measures to be taken by organizations and individuals. Shri. P J Raphie, Scientist-E, NIC-CEM handled the second session on '**Web Applications**

Security'. Various threats faced on web applications, possible damages could be crept in on negligence, precautions to be taken and the importance of security auditing of web applications were explained by him.

Forty Officers of different cadres from CIFNET HQ/Units (Kochi, Chennai, Vaizag, Visakhapatanam), NIFPHATT (National Institute of Fisheries Post Harvest Technology and Training), FACT (Fertilizers and Chemicals of Travancore Ltd.), Coconut Development Board (Kochi, Guwahati, Patna), Guruvayur Devaswom Board and Maharajas College, Kochi had participated in the programme.

The workshop concluded with Question and Answer / Feedback session chaired by HoD, NIC-CEM. The HoD and the faculties addressed the queries and cleared the doubts raised by the participants from various locations. The participants appreciated the faculties for the knowledgeable sessions. Shri. Nishanth, Senior Instructor (EL), CIFNET Kochi rendered Vote of Thanks.

NIC-CEM Kochi

****